(15)

दिनांक 13 अक्टूबर, 2017 (शुक्रवार) को विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की 19 वीं बैठक विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न हुई, बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने प्रतिभाग किया :-

उपस्थिति :-

क्र०सं०	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	अध्यक्ष	[signature]
2.	प्रोफेसर बी० एल० पठानिया रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजेज, हिमाचल प्रदेश वि०वि०, शिमला,	सदस्य	[signature]
3.	प्रोफेसर के० एन० पाठक, पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़,	सदस्य	अनुपस्थित
4.	श्री मनोज सिंघल, एफ - 1204, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली,	सदस्य	अनुपस्थित
5.	श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष भारती एंटरप्राइजेस, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वसंत कुंज, फेज - 2, नई दिल्ली,	सदस्य	वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया
6.	प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि,	सदस्य	अनुपस्थित

क्र० सं०	नाम	पदनाम	हस्ताक्षर
7.	कुलपति, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अथवा उनके द्वारा नामित सदस्य	सदस्य	अनुपस्थित
8.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा उ० मु० वि० वि०, हल्द्वानी	सदस्य	[signature]
9.	प्रोफेसर एच० पी० शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा उ० मु० वि० वि०, हल्द्वानी	सदस्य	[signature]
10.	डॉ० देवेश कुमार मिश्र सहायक प्राध्यापक, संस्कृत उ० मु० वि० वि०, हल्द्वानी	सदस्य	[signature] 3/10/17
11.	प्रोफेसर आर० सी० मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन विद्याशाखा / कुलसचिव उ० मु० वि० वि०, हल्द्वानी	सदस्य सचिव	[signature] 3/10/17
12.	प्रोफेसर पी० डी० पंत परीक्षा नियंत्रक, उ० मु० वि० वि०, हल्द्वानी	आमंत्रित सदस्य	[signature] 3.10.17
13.	श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ० मु० वि० वि०, हल्द्वानी	आमंत्रित सदस्य	[signature]

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

Ref. No. UOU/R3/का॰ परि॰/19/2017

Date 29/11/2017

सेवा में,

1. प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला।
2. प्रोफेसर के0 एन0 पाठक, पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चड़ीगढ़।
3. श्री मनोज सिंघल, एफ-1204, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110 019।
4. श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली -110 070।
5. प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उ त्तराखण्ड शासन, देहरादून।
6. कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
7. प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
8. प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
9. प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी
10. डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।
11. श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।

महोदय/महोदया,

दिनांक **13 अक्टूबर, 2017** को सम्पन्न उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की **कार्य परिषद की 19वीं बैठक** का कार्यवृत्त संलग्न कर प्रेषित है। कार्यवृत्त में यदि कोई संशोधन हो तो, कृपया अवगत कराने का कष्ट करें ताकि कार्यवृत्त की पुष्टि के समय प्रस्तावित संशोधन को संज्ञान में लेते हुए यथा आवश्यक परिवर्तन किया जा सके।

सादर,

भवदीय,

29.XI.17

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)
कुलसचिव/ सचिव कार्य परिषद

प्रतिलिपि:- कुलपति जी के वैयक्तिक सहायक को कुलपति महोदय के सूचनार्थ।

दिनांक 13 अक्टूबर, 2017 (शुक्रवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में मध्यान्ह 12.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न कार्य परिषद की 19वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया:-

1.	प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3.	श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली	सदस्य
4.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
5.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
6.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
7.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा/कुलसचिव उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य सचिव
8.	श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य
9.	प्रोफेसर पी0डी0 पंत, परीक्षा नियंत्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य

सर्वप्रथम कुलसचिव (सदस्य सचिव, कार्य परिषद) द्वारा कुलपति (अध्यक्ष, कार्य परिषद) तथा सभी उपस्थित सदस्यों का कार्यपरिषद की 19वीं बैठक में स्वागत किया गया। कुलसचिव ने विशेषरूप से परिषद की बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया तथा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में सम्मिलित श्री राकेश भारती मित्तल का स्वागत किया।

तदुपरान्त कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया एवं श्री राकेश भारती मित्तल, जो वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में उपस्थित थे, का अभिनन्दन किया व उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर बैठक में प्रतिभाग किया इसके लिए कुलपति जी द्वारा बाह्य सदस्यों का विशेष आभार व्यक्त करते हुए पुन: स्वागत किया गया।

कार्य परिषद के सभी सदस्यों (आन्तरिक एवं बाह्य) के परिचय के उपरान्त कुलपति जी द्वारा बाह्य सदस्यों को कार्य परिषद की सम्पन्न विगत बैठक के उपरान्त विश्वविद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों से अवगत कराया गया, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

- दिनांक 17 अप्रैल, 2017 को विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। उसी क्रम में महामहिम कुलाधिपतिजी की स्वीकृति के उपरान्त दिनांक 14 नवम्बर, 2017 को तृतीय दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया जा रहा है। माननीय कुलपति जी ने सभी सदस्यों को इस आयोजन में उपस्थित होने के लिए निवेदन करते हुए आमंत्रित किया।
- विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करने हेतु उपाधि वितरण के नियमों में परिवर्तन किया गया है। अब उपाधि के लिए अलग से आवेदन नहीं करना होगा प्रवेश के समय ही उपाधि के लिए भी शुल्क ले लिया जायेगा और पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर विद्यार्थी द्वारा उपलब्ध कराये गये पते पर संबंधित की उपाधि प्रेषित कर दी जायेगी।
- विश्वविद्यालय में संचालित कम्यूनिटी रेडियो के अन्तर्गत **'हेलो हल्द्वानी'** की गतिविधियों के संबंध में विशेष प्रयास किये गये हैं। इस पर प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि इसके कार्य क्षेत्र में काफी विस्तार किया गया है। आई0सी0टी0 द्वारा रेडियो स्टेशन को इनटरनेट से जोड़कर लाइव प्रसारित किया जायेगा जिसे पूरे विश्व में सुना जा सकता है तथा **'हेलो हल्द्वानी'** नाम से एक **'ऐप'** भी तैयार किया जा रहा है। **'हेलो हल्द्वानी'** को और अधिक रोचक बनाये जाने के उद्देश्य से इसकी विषय सामग्री में काफी परिवर्तन किया गया है जिसके अन्तर्गत शिक्षा के अलावा छोटी-छोटी बातें, कुमाउँनी संस्कृति एवं गीत, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, रूबरू, ज्ञान-विज्ञान, खेती किसानी, रेडियो फीचर आदि को सम्मिलित किया गया है। इसके अन्तर्गत समय-समय पर विशिष्ट विषयों पर जानकारी दी जाती है जैसे आर0टी0आई0 आदि। वार्ता नाम से एक कार्यक्रम चलाया जाता है जिसमें अलग-अलग विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाती है। इस पर श्री राकेश भारती मित्तल ने इस उपलब्धि हेतु विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रचार-प्रसार हेतु **'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ'** बनाया गया है जो पहाड़ी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा संवर्द्धन का कार्य कर रहा है। पहाड़ के लोगों में उच्च शिक्षा का प्रसार किये जाने हेतु शिक्षकों की अलग-अलग टीमें बनाकर अभियान चलाया जा रहा है। यह प्रकोष्ठ ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष रूप से दुर्गम एवं अति दुर्गम क्षेत्रों- पौड़ी गढ़वाल, टिहरी, रानीखेत आदि में भ्रमण कर शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य बुनियादी जरूरतों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने का कार्य कर रहा है। इसमें उन्हें सफलता प्राप्त हुई है और पहाड़ के लोगों में दूरस्थ शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है।
- विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल 45 दिन के भीतर घोषित किया गया है इससे शैक्षणिक सत्र नियमित हो गया है, इसके लिए परीक्षा नियंत्रक और उनकी पूरी टीम बधाई के पात्र हैं।

- पाठ्य सामग्री लेखन पर विशेष बल दिया गया है। विश्वविद्यालय में संचालित अधिकतर पाठ्यक्रमों की पाठ्य सामग्री स्वयं विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा निर्मित की गयी है तथा जिन विषयों में अन्य विश्वविद्यालयों से पाठ्य-सामग्री ली जा रही है उन पर लेखन का कार्य बहुत तेजी से किया जा रहा है। इस वर्ष आधार पाठ्यक्रम में पर्यावरण पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा स्वंय पुस्तक निर्मित कर तैयार कर ली गयी है।
- निदेशालय क्षेत्रीय सेवाएं द्वारा सभी अध्ययन केन्द्रों में विद्यार्थियों को प्रवेश, परीक्षा, पाठ्य सामग्री आदि में कोई कठिनाई उत्पन्न न हो इस हेतु समस्त अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों के मध्य समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से गढ़वाल मण्डल के देहरादून में दिनांक 09 जून, 2017 को तथा कुमाऊँ मण्डल में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय, हल्द्वानी में दिनांक 22 जून, 2017 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मुक्त और दूरस्थ माध्यमों से शिक्षा प्राप्ति के संबंध में दिनांक 23 जून, 2017 को विनियम 2017 अधिसूचित किया गया है इसके अन्तर्गत दूरस्थ शिक्षा के मानकों का निर्धारण किया गया है। विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों की स्थापना उच्च शिक्षा संस्थानों जैसे राजकीय महाविद्यालयों एवं सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र स्थापित किये जाने पर कार्य किया जा रहा है। श्री राकेश भारती मित्तल ने सुझाव दिया कि दूरस्थ शिक्षा किसी सीमित क्षेत्र के लिए न होकर पूरे देश के लिए होनी चाहिए इस हेतु विश्वविद्यालय को पहल करनी चाहिए उन्होने कहा कि मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय(एम0एच0आर0डी0) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अन्तिम प्रारूप तैयार करने के लिए डॉ0 के0 कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया इसलिए विश्वविद्यालय की ओर से एक पत्र डॉ0 कस्तूरीरंगन को प्रेषित किया जाय जिस पर वे स्वंय व्यक्तिगत रूप से उनसे वार्ता करेंगें। कुलपति जी ने कहा कि मा0 उच्च शिक्षा मंत्री एवं डॉ0 कस्तूरीरंगन को इस हेतु पत्र प्रेषित किया जायेगा।
- विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रूझान बढ़ाये जाने एवं संस्कृत का अधिक प्रसार किये जाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा सहज संस्कृत बोध नाम से स्नातक स्तर पर एक आधार पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण पर दिनांक 04 सितम्बर, 2017 से दिनांक 14 सितम्बर, 2017 तक 10 दिवसीय शिविर का भी आयोजन किया गया।
- कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल एवं श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से व्यक्तिगत परीक्षाएं समाप्त होने के फलस्वरूप विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में बढोत्तरी हुई है अभी तक लगभग 40 हजार विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है इसमें और अधिक संख्या में बढ़ोत्तरी होने की सम्भावना है।
- विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों जैसे- योग, होटल मैनेजमेन्ट, प्रबन्ध अध्ययन आदि विषयों का सर्वे किया गया जिसमें 28 से 40 प्रतिशत रोजगार का अनुपात (ratio) प्राप्त हुआ है।
- विश्वविद्यालय अपना स्थापना दिवस 31 अक्टूबर, 2017 को आयोजित कर रहा है। प्रथम बार इस अवसर पर स्थापना दिवस व्याख्यान (Foundation Day Lecture) प्रोफेसर बी0एस0 प्रसाद, पूर्व कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा दिया जा रहा है।
- दिव्यांगजनों हेतु शिक्षकों के मूल्यांकन एवं क्षमता संवर्धन हेतु एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 25 से 27 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा रूद्रप्रयाग जिले के जखोली, अगस्तमुनि एवं

- उखीमठ ब्लाक के प्राथमिक, जूनियर एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों हेतु दिव्यांगजनों के शिक्षण, पुनर्वास एवं विशेष आवश्यकता हेतु जागरूक करने संबंधी तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसके लिए माननीय उच्च शिक्षा मंत्री की वरद उपस्थिति की सराहना की गयी।
- भाषा के क्षेत्र में कॅरियर बनाने वाले विद्यार्थियों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विदेशी भाषाओं में पाठ्यक्रम आरम्भ करने पर कार्य किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत सर्वप्रथम जापानी भाषा में पाठ्यक्रम आरम्भ किया जा रहा है। इस हेतु विषय विशेषज्ञों की एक बैठक आयोजित कर परामर्श लिया गया है तथा पाठ्य सामग्री पर कार्य किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये पॉच गॉवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, कुपोषण आदि के संबंध में जागरूकता लाने के उद्देश्य से समय-समय पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भविष्य में विश्वविद्यालय के द्वारा और अधिक गॉवों को गोद लिये जाने की योजना तैयार की जा रही है ताकि गॉवों से हो रहे पलायन को रोकने में विश्वविद्यालय अपना योगदान दे सके।
- एम0एच0आर0डी0 के **National Convention on Digital Initiatives for Higher Education के Action Plan 17 by 17** पर विश्वविद्यालय द्वारा कार्य किया जा रहा है जिसमें से 8 बिन्दुओं पर कार्य चल रहा है तथा Digital India in Awareness पर एक 'ऐप' भी तैयार किया जा रहा है।
- Commonwealth of Learning (COL) द्वारा अभी हाल ही में पूरे भारत में संचालित 27 मुक्त विश्वविद्यालयों का एक सर्वे किया गया जिसमें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए विशेष उल्लेख है तथा विश्वविद्यालय का retention ratio 33 प्रतिशत है जो औसत retention ratio 15 प्रतिशत से काफी अधिक है।

माननीय कुलपतिजी के द्वारा कार्य परिषद की सम्पन्न विगत बैठक के उपरान्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों के संक्षिप्त विवरण के पश्चात कार्य परिषद की कार्यसूची के प्रत्येक प्रस्ताव पर विचार किया गया तथा निम्नवत् प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया:-

प्रस्ताव संख्या 19.01- कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25.03.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25.03.2017 के कार्यवृत्त को सभी सम्मानित सदस्यों के मध्य परिचालित किया गया था कि कार्यवृत्त में कोई संशोधन अपेक्षित हो तो यथा समय अवगत करा दिया जाय, इस पर किसी भी सदस्य से कोई संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। यद्यपि कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य श्री राकेश भारती मित्तल द्वारा ई-मेल के माध्यम से कुछ बिन्दुओं पर सुझाव प्रेषित किये गये हैं, जो कार्य परिषद के समक्ष प्रस्तुत हैं। कुलसचिव ने कार्य परिषद को अवगत कराया कि श्री मित्तल द्वारा प्रेषित ई-मेल के **बिन्दु संख्या-1** में विश्वविद्यालय की Annual Report (वार्षिक प्रत्यावेदन) उन्हें प्राप्त न होने का सन्दर्भ है, अत: इसे श्री मित्तल को शीघ्र ही प्रेषित किया जायेगा। **बिन्दु संख्या-2** में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गॉवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, योग आदि के शिविरों के समय-समय पर आयोजन की सराहना की गई है एवं कौशल विकास के क्षेत्र में प्रयास को बल देने की बात कही गई है। कुलसचिव ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे दक्षता आधारित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई जिसकी कार्य परिषद के सदस्यों ने सराहना की। **बिन्दु संख्या-3** प्रत्येक बैठक में पूर्व बैठक से वर्तमान तक की प्रगति रिपोर्ट पूर्व से ही प्रस्तुत की जाती रही है तथा भविष्य में भी आयोजित की जाने वाली बैठक की कार्यसूची के बिन्दु के रूप में ही सदस्यों को उपलब्ध करा दी जायेगी। **बिन्दु संख्या-4** प्रत्येक बैठक में

कुलसचिव द्वारा Action Taken Report (ATR) प्रस्तुत की जाती है। **बिन्दु संख्या-5** श्री मित्तल द्वारा Compliance Certificate का प्रारूप विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जायेगा जिसका परीक्षण कर अग्रेत्तर कार्यवाही की जायेगी। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान श्री मित्तल द्वारा सुझाव दिया गया कि जो सदस्य कार्य परिषद की बैठक में उपस्थित नहीं हो पाते हैं उनके लिए 'अनुपस्थित के लिए अवकाश' (Leave of Absence) के बिन्दु को भी कार्यसूची (Agenda) में प्रारम्भ में ही सम्मिलित किया जाय। श्री मित्तल द्वारा प्रेषित ई-मेल के प्रत्येक बिन्दु एवं सुझाव से कार्य परिषद अवगत हुई एवं उनके सुझावों की सराहना की गयी। सर्वसम्मति से कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25 मार्च, 2017 के कार्यवृत्त का अनुमोदन किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.02- कार्य परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 16.04.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

कार्य परिषद की 18वीं बैठक दिनांक 16.04.2017 विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह से पूर्व आयोजित की गयी थी जिसमें दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने एवं उपाधियॉ प्रदान किये जाने से संबंधित एक सूत्रीय प्रस्ताव सम्मिलित था जिसका कार्यवृत्त सभी सदस्यों को प्रेषित कर दिया गया था। कार्यवृत्त की कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 19.03- कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25.03.2017 एवं 18वीं बैठक दिनांक 16.04.2017 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25.03.2017 एवं 18वीं बैठक दिनांक 16.04.2017 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही के प्रत्येक प्रस्ताव के संबंध में कुलसचिव द्वारा सभी सदस्यों को अवगत कराया गया। प्रस्ताव पर श्री राकेश भारती मित्तल ने कहा कि कृत कार्यवाही एवं कार्यसूची में कई बिन्दु ऐसे है जिन्हें उनके अनुसार बैठक में प्रस्तुत करने की आवश्यता नहीं है जैसे- दीक्षान्त समारोह से संबंधित प्रस्ताव, चिकित्सा अवकाश, अवैतनिक अवकाश को निरस्त किये जाने आदि से संबंधित इसके लिए कुलपति जी को अधिकृत किया जाना चाहिए और उन्हीं के स्तर से कार्यवाही पूर्ण कर ली जानी चाहिए। इस पर कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि दूरस्थ शिक्षा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की मान्यता एवं विश्वविद्यालय हेतु निर्मित अधिनियम, परिनियम, अध्यादेश आदि के प्रावधानों के अनुसार कार्यसूची में प्रस्ताव प्रस्तुत किये जाते हैं।

प्रस्ताव संख्या 19.04- विश्वविद्यालय में तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक 14 नवम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने की महामहिम कुलाधिपति जी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है। कार्यालय, परीक्षा नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह ज्ञात हुआ है कि विश्वविद्यालय में वर्ष 2016-17 में स्नातक/स्नातकोत्तर/पी0जी0 डिप्लोमा/डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र में कुल 8,067 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। दीक्षान्त समारोह में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि प्रदान की जानी है। इसके साथ ही इन उपाधि धारकों में से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति जी द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये जाने है।

प्रस्तुत प्रस्ताव को विद्या परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 28 सितम्बर, 2017 में प्रस्तुत किया गया था प्रस्ताव पर चर्चा के उपरान्त विद्या परिषद द्वारा यह संस्तुति की गयी कि लेटरल इन्ट्री के माध्यम से अन्य विश्वविद्यालयों से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान नहीं किया जायेगा केवल वे ही विद्यार्थी इसके लिए अर्ह होंगे जिनके द्वारा सीधे विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया गया हो।

कुलसचिव द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि हल्द्वानी नगर के एक व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ0 प्रमोद अग्रवाल **'गोल्डी'** के द्वारा 03 स्वर्ण पदकों के प्रायोजन हेतु ₹ 1 लाख 80 हजार का चेक विश्वविद्यालय को प्रदान किया गया है जो उनके दादा-दादी व अन्य परिजनों के नाम से होगें। इस पर विद्या परिषद द्वारा निर्देशित किया गया है कि पदक किसी जीवित व्यक्ति के नाम से न हों। दीक्षान्त समारोह के परिधान पर भी विस्तार से चर्चा की गयी जिस पर कुलपति जी ने कहा कि कुछ परिधानों के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। विद्या परिषद द्वारा दीक्षान्त समारोह के परिधान के संबंध में अन्तिम निर्णय एवं कार्यवाही हेतु कुलपति जी को अधिकृत किया गया। कार्य परिषद द्वारा विचारोपरान्त विद्या परिषद की संस्तुतियों का अनुमोदन किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.05- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-247 दिनांक 23 जून, 2017 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-247 दिनांक 23 जून, 2017 जिसका मूलपाठ अंग्रेजी में है (जिसे हिन्दी में रूपान्तरित किया गया है) किन्तु दोनों भाषाओं में प्रस्ताव के साथ संलग्न है जिसमें दूरस्थ शिक्षा के मानकों का निर्धारण किया गया है। यह राजपत्र प्रथम बार दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा पर पूरे भारत में लागू होगा। प्रस्ताव पर कुलपतिजी ने अवगत कराया कि उक्त अधिसूचना के अन्तर्गत शिकायत निवारण केन्द्र एवं अध्ययन केन्द्रों की स्थापना से संबंधित मानकों के अनुसार विश्वविद्यालय ने कार्य आरम्भ कर दिया है। इस अधिसूचना को विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 28 सितम्बर, 2017 में प्रस्तुत किया गया था जिस पर विद्या परिषद द्वारा इसे अंगीकृत किये जाने की संस्तुति की गयी है। प्रस्ताव से कार्य परिषद अवगत हुई एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

प्रस्ताव संख्या 19.06- कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत सहायक प्राध्यापकों को ग्रेड वेतन ₹6000 के स्थान पर अर्हता तिथि से ग्रेड-वेतन ₹ 7000 अनुमन्य कराये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' शीर्षक के अन्तर्गत परिनियम 28(1)में कैरियर अभिवर्धन योजना हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित पात्रता एवं समयावधि को लागू किये जाने का उल्लेख है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार ग्रेड-वेतन ₹ 7000 अनुमन्य किये जाने हेतु 04 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण किये जाने के साथ ही 01 रिफ्रेशर एवं 01 ओरिएन्टेशन प्रोग्राम पूर्ण किया जाना आवश्यक है। परिनियमावली की उक्त व्यवस्थानुसार विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों को कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत ग्रेड वेतन ₹6000 के स्थान पर अर्हता तिथि से ग्रेड-वेतन ₹ 7000 अनुमन्य किये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की बैठकें विभिन्न तिथियों में विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुई। समिति की संस्तुतियॉ सील बन्द लिफाफों में माननीय कार्य परिषद के सम्मुख खोले जाने हेतु प्रस्तुत हैं। लिफाफे खोले जाने से पूर्व श्री राकेश भारती मित्तल द्वारा कुछ सुझाव दिये गये जैसे शिक्षकों को विश्वविद्यालय स्तर से अच्छी संस्थाओं से प्रशिक्षण करवाया जाना चाहिए जिससे वे विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को भविष्य के लिए प्रशिक्षित कर सकें, विश्वविद्यालय को औद्योगिक संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए ताकि पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरान्त विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिक संसाधन जुटाएं जा सकें एवं विश्वविद्यालय द्वारा अपना योजनागत Vision Document तैयार करना चाहिए ताकि विश्वविद्यालय के विकास हेतु एक योजना के तहत कार्य किया जा सके आदि। श्री मित्तल

के सुझाव पर कुलसचिव द्वारा अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानकों के अनुसार प्रत्येक शिक्षक के लिए एक रिफ्रेशर एवं एक ओरिएन्टेशन प्रोग्राम किया जाना जरूरी है। साथ ही यह भी अवगत कराया कि यू0जी0सी0 के मानकों के अनुरूप ही विश्वविद्यालय द्वारा कार्य किया जाता है। विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा कई औद्योगिक संस्थाओं जैसे- टाटा मोटर्स, अशोक ली-लैण्ड, मारूती सुजुकी आदि के साथ अनुबन्ध कर कई रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। कुलपति जी द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि श्री राकेश भारती मित्तल को Confederation of Indian Industries (CII) (भारतीय उद्योगों का परिसंघ) के अध्यक्ष पद के लिए नामित किया गया है, इस पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद की ओर से श्री मित्तल को बधाई दी गयी।

तत्पश्चात सहायक प्राध्यापकों को ग्रेड-वेतन ₹ 7000 अनुमन्य कराये जाने हेतु सील बन्द लिफाफे कार्य परिषद द्वारा खोले जाने की कार्यवाही की गयी इस दौरान कार्य परिषद के सदस्य डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत अनुपस्थित रहे। कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र के जाति प्रमाण-पत्र के संबंध में महामहिम कुलाधिपति सचिवालय के पत्र संख्या-2423/जी0एस0/शिक्षा-C5-11(1) 2015, दिनांक 25 सितम्बर, 2017 द्वारा अपर सचिव, उच्च शिक्षा को जॉच कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं, इस पत्र की प्रति विश्वविद्यालय को भी पृष्ठांकित है। इस संबंध में कार्य परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि डॉ0 दिनेश कुमार के लिफाफे को उक्त पत्र के आलोक में न खोला जाय। तदुपरान्त शेष सील बन्द लिफाफे कार्य परिषद द्वारा खोले गये तथा विश्वविद्यालय में कार्यरत निम्न सहायक प्राध्यापकों को पात्रता की तिथि से ग्रेड-वेतन ₹ 7000/- अनुमन्य किये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की संस्तुतियों पर निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया:-

क्रम संख्या	संवीक्षा समिति की बैठक की तिथि	नाम एवं पदनाम	पात्रता की तिथि जिससे ग्रेड- वेतन ₹7000/- अनुमन्य हुआ है
1.	22.04.2017	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	01.01.2017
2.		डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	15.09.2015
3.		डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक, प्रबंध अध्ययन	22.12.2015
4.		डॉ0 गगन सिंह, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य	26.08.2015
5.		डॉ0 सूर्यभान सिंह, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान	24.11.2016
6.	29.04.2017	डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे, सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान	30.04.2016
7.		डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक, कृषि	29.09.2016

8.		डॉ0 जटाशंकर तिवारी, सहायक प्राध्यापक, होटल प्रबंधन	11.08.2015
9.		डॉ0 शंशाक शुक्ल, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी	31.07.2016
10.	02.05.2017	डॉ0 भानु प्रकाश जोशी, सहायक प्राध्यापक, योग	03.12.2016
11.	08.05.2017	डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र	08.08.2016
12.		डॉ0 मदन मोहन जोशी, सहायक प्राध्यापक, इतिहास	31.07.2016
13.	20.05.2017	डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र	31.07.2016
14.	13.10.2017	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी, सहायक प्राध्यापक, वानिकी	31.07.2016

प्रस्ताव संख्या 19.07- डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी, सहायक प्राध्यापक, वानिकी का अवैतनिक अवकाश निरस्त किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी, सहायक प्राध्यापक, वानिकी का गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में व्यावसायिक अध्ययन और व्यावहारिक विज्ञान स्कूल के पर्यावरण विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर चयन होने के फलस्वरूप प्रारम्भ में डॉ0 जोशी को एक वर्ष का अवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया गया था, जिसे कार्य परिषद की 16वीं बैठक दिनांक 02 दिसम्बर, 2016 में अनुमोदित किया गया।

डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश से प्रतिनियुक्ति की अवधि पूर्ण होने से पूर्व ही दिनांक 20 जुलाई, 2017 को कार्यमुक्त होकर दिनांक 21 जुलाई, 2017 के पूर्वान्ह में विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव से कार्य परिषद अवगत हुई।

प्रस्ताव संख्या 19.08- विश्वविद्यालय का द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन (Annual Report) प्रस्तुत किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली में वर्णित व्यवस्थानुसार विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2016-17 का वार्षिक प्रतिवेदन, जिसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों के साथ ही वित्तीय स्थिति का उल्लेख किया गया है, तैयार किया गया है। कुलपति जी ने इस हेतु प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, डॉ0 शंशाक शुक्ला, डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, श्री मोहम्मद अकरम एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी। कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव का अवलोकन कर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.09- शासन द्वारा स्वीकृत स्थायी पदों के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक पदों के स्थायीकरण के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव को कुलपति जी द्वारा प्रस्तुत किया गया इस दौरान प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे एवं डॉ0 देवेश कुमार मिश्र अनुपस्थित रहे। कुलपति जी ने कार्य परिषद को अवगत कराया कि शासन द्वारा 05 प्राध्यापक एवं 16 सहायक प्राध्यापक कुल 21 पदों का स्थायीकरण शासनादेश संख्या–1020/XXIV(6)/2016-03(01)/12, दिनांक 05 दिसम्बर, 2016 द्वारा किया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव को कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25 मार्च, 2017 में प्रस्तुत किया गया था जिस पर प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के समस्त शैक्षिक अभिलेख सत्यापित नहीं होने के कारण कार्य परिषद द्वारा निर्देशित किया गया कि प्राध्यापकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन करा लिया जाय। अभिलेख सत्यापन के उपरान्त पुन: प्रस्ताव कार्य परिषद की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय। कार्य परिषद के निर्देशानुसार अभिलेख सत्यापन हेतु प्राध्यापकों से संबंधित संस्थानों को पत्र प्रेषित किया गया है जिसमें से अधिकांश संस्थानों के द्वारा अभिलेख सत्यापित कर उपलब्ध करा दिये गये हैं कुछ संस्थानों से अभी प्राप्त होने शेष है। अत: केवल उन्हीं प्राध्यापकों/सहायक प्राध्यापकों की सूची कार्य परिषद के सम्मुख निम्नानुसार प्रस्तुत की जा रही है जिनका सत्यापन हो चुका है शेष प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के अभिलेखों के सत्यापन की प्रक्रिया गतिमान है:-

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विषय	अभ्युक्ति
1.	प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल	प्राध्यापक	अंग्रेजी	संबंधित प्राध्यापक पूर्व से ही प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालय में कार्यरत थे, अत: इनके पुन: सत्यापन की आवश्यकता नहीं है।
2.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे	प्राध्यापक	इतिहास	
3.	प्रोफेसर दुर्गेश पंत	प्राध्यापक	कम्प्यूटर साइंस	
4.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र	प्राध्यापक	मैनेजमेंट	
5.	डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी	सहायक प्राध्यापक	शिक्षाशास्त्र	-
6.	डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर साइंस	-
7.	डॉ0 गगन सिंह	सहायक प्राध्यापक	वाणिज्य	-
8.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	सहायक प्राध्यापक	अंग्रेजी	-
9.	डॉ0 शशांक शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	हिन्दी	-
10.	डॉ0 दीपक पालीवाल	सहायक प्राध्यापक	समाज विज्ञान	-
11.	डॉ0 मदन मोहन जोशी	सहायक प्राध्यापक	इतिहास	-
12.	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी	सहायक प्राध्यापक	वानिकी	-

13.	डॉ0 भानु प्रकाश जोशी	सहायक प्राध्यापक	योग	-

उक्तानुसार शासन द्वारा स्वीकृत स्थायी पदों के सापेक्ष विश्वविद्यालय के उक्त शैक्षिक पदों के स्थायीकरण के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव का कार्य परिषद द्वारा अवलोकन कर विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.10- शासन द्वारा स्वीकृत सह-प्राध्यापक, कृषि एवं विकास अध्ययन विद्याशाखा के पद को विकास अध्ययन विषय के स्थान पर इसी विद्याशाखा के सभी विषयों के लिए मुक्त पद के रूप में रखे जाने पर विचार।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को विस्तृत जानकारी देते हुए अवगत कराया कि उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1041/XXX(6)/2014/24(1)13, दिनांक 15 जुलाई, 2014 द्वारा इस विश्वविद्यालय हेतु 10 सह-प्राध्यापक (Associate Professor) के पद विद्याशाखा वार सृजित किये गये थे। विद्याशाखावार सृजित इन पदों को पूर्व में विषयवार आवंटित किया गया था जिसे विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 7वीं बैठक दिनांक 27.06.2015 में प्रस्तुत किया गया, विद्या परिषद की संस्तुतियों को कार्य परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 12.08.2015 में अनुमोदित किया गया है। उक्त पदों में से एक सह-प्राध्यापक का पद कृषि एवं विकास अध्ययन विद्याशाखा के अन्तर्गत 'विकास अध्ययन' के लिए आबंटित किया गया था, किन्तु वर्तमान में यह विभाग ही सृजित नहीं है, तथा इस विभाग में सहायक प्राध्यापक का भी कोई पद सृजित नहीं है, अत: इस पद को कृषि एवं विकास अध्ययन विद्याशाखा के सभी विषयों के लिए मुक्त पद के रूप में रखे जाने का प्रस्ताव परिषद के विचारार्थ प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे इस पद के सापेक्ष कृषि से संबंधित सभी अध्ययन के विषयों के अभ्यर्थी इस पद हेतु आवेदन कर सकें। उक्तानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव पर कार्य परिषद द्वारा विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 19.11- विश्वविद्यालय हेतु शासन द्वारा स्वीकृत शैक्षिक पदों पर नवीन अर्हताओं के दृष्टिगत विज्ञापन किए जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा (शिक्षकों एवं अन्य अकादमिक स्टॉफ की विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियुक्ति संबंधी न्यूनतम अर्हताएं एवं उच्च शिक्षा में मानकों के अनुरक्षण संबंधी उपाय) चतुर्थ संशोधन विनियम,के द्वारा यथा संशोधित 2016 , विनियमों में विहित प्रक्रिया एवं पात्रता हेतु निर्धारित मानकों को लागू किया गया है। वर्णित व्यवस्था के अधीन विश्वविद्यालय पनिनियमावली के परिनियम 20 से 23 तथा परिनियम 25-13 (अ) में संशोधन का प्रस्ताव कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25.03.2017 के माध्यम से पत्रांक-यूओयू/आर3/अधि0/परि0संशो0/2017/6018-01 दिनांक 05.06.2017 के द्वारा कुलाधिपति सचिवालय के अनुमोदनार्थ प्रेषित किया गया है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के 09, सह-प्राध्यापक के 10 एवं सहायक प्राध्यापक के 18 पद रिक्त हैं। प्राध्यापक के रिक्त पदों में एक पद मैकेनिकल इंजीनियरिंग का है। विद्या परिषद की 7वीं बैठक दिनांक 27.06.2015 एवं कार्य परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 12.08.2015 में विश्वविद्यालय में भौमिकी एवं पर्यावरण

विज्ञान विद्याशाखा के गठन का प्रस्ताव पारित हुआ है जो कुलाधिपति महोदय के अनुमोदन हेतु विचारार्थ है। इस विद्याशाखा के गठन का अनुमोदन प्राप्त होने के बाद आचार्य, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पद को आचार्य, भूगर्भ विज्ञान में परिवर्तित किये जाने का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जायेगा इस प्रकार वर्तमान में प्राध्यापक के 08 पद पूरित किये जाने हैं। रिक्त पदों के संबंध में परिषद को यह अवगत कराना है कि प्राध्यापक के पदों को पूरित किये जाने हेतु पूर्व में पॉच विज्ञापन प्रकाशित किये गये किन्तु प्रारम्भिक चरण के परीक्षण में न्यूनतम ए0पी0आई0 पूर्ण न होने के कारण साक्षात्कार सम्पन्न न हो सका। रिक्तियों को अन्तिम बार विज्ञापन संख्या-UOU/Add/R3/001/2015-16, दिनांक 25 अगस्त, 2015 द्वारा विज्ञापित कराया गया। विज्ञापन की प्रति परिषद के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है। इस विज्ञापन में भी प्राध्यापक एवं सह-प्राध्यापक के पदों के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के प्रथम चरण के परीक्षण में केवल राजनीति विज्ञान विषय के प्राध्यापक पद हेतु एक अभ्यर्थी को छोड़कर किसी भी पद के लिए कोई अर्ह नहीं पाया गया। अत: वर्णित विज्ञापन के माध्यम से प्राध्यापक एवं सह-प्राध्यापक के पद हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्प्रयोज्य हो जाने की स्थिति में पुन: विज्ञापन कराये जाने तथा आवेदकों को नवीन आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने के संबंध में प्रस्ताव परिषद के विचारार्थ प्रस्तुत है।

उक्तानुसार प्रस्ताव पर विचार-विमर्श के उपरान्त कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया कि रिक्त पदों पर नवीन अर्हताओं के दृष्टिगत पुन: विज्ञापन करा लिया जाय तथा पूर्व में जिन अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया गया था और वे अर्ह नहीं पाये गये उनके द्वारा पुन: नवीन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा, किन्तु संबंधित अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र के साथ देय शुल्क नहीं लिया जायेगा। प्रस्ताव पर वित्त अधिकारी द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि शिक्षणेत्तर वर्ग में नियमित नियुक्ति न होने के कारण कार्य बाधित हो रहा है। अत: शिक्षणेत्तर वर्ग में रिक्त पदों को पूरित किया जाना आवश्यक है इस पर कार्य परिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 19.12- विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक, तकनीकी (आई0सी0टी0/ डाटा प्रौसेसिंग/रेडियो) एवं अन्य परामर्शदाताओं के सेवा विस्तारण की सूचना के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में पर्याप्त शैक्षिक/शिक्षणेत्तर पदों का सृजन न होने के कारण आवश्यक कार्यो के निष्पादन हेतु विश्वविद्यालय परिनियमावली एवं अध्यादेश की व्यवस्थानुसार समय-समय पर अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परामर्शदाताओं का अल्पकालिक नियोजन किया जाता रहा है। दिनांक 03, 04, 05, 06 एवं 07 अक्टूबर, 2016 को सम्पन्न साक्षात्कार के आधार पर छ: माह से अनधिक अवधि हेतु उक्तानुसार परामर्शदाताओं का नियोजन किया गया जिनका समय-समय पर आगामी छ: माह हेतु सेवा विस्तारीकरण किया जाता रहा है, जो वर्तमान में दिनांक 03 अक्टूबर, 2017 से छ: माह के लिए किया गया है। प्रस्ताव से कार्य परिषद अवगत हुई तथा कार्येत्तर सहमति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 19.13- विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक परामर्शदाता, प्रशासनिक परामर्शदाता एवं तकनीकी परामर्शदाता(आई0सी0टी0/रेडियो) आदि के नियोजन के संबंध में।

कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली में वर्णित व्यवस्थानुसार कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के दक्षतापूर्ण संचालन की आवश्यकता हेतु समय-समय पर अल्पकालिक नियुक्ति जो एक बार में छ: माह से अनधिक हो, किये जाने का प्राविधान है।

उक्त के क्रम में दिनांक 25 एवं 26 जुलाई, 2017 को अकादमिक, प्रशासनिक तथा तकनीकी परामर्शदाताओं के अल्पकालिक नियोजन हेतु **वॉक-इन-इन्टरव्यू** सम्पन्न किया गया, जिसमें चयन समिति द्वारा अकादमिक परामर्शदाता में 04, प्रशासनिक परामर्शदाता में 06 तथा तकनीकी परामर्शदाता में 02 कुल 12 परामर्शदाताओं के नियोजन की संस्तुति की गयी है। चयन समिति की संस्तुति के क्रम में नियोजित परामर्शदाताओं द्वारा कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

अकादमिक परामर्शदाता

1. श्री दीपांकुर जोशी, अकादमिक परामर्शदाता, विधि
2. डॉ0 भावना डोभाल, अकादमिक परामर्शदाता, समाजशास्त्र।
3. डॉ0 गोपाल दत्त, अकादमिक परामर्शदाता, व्यावसायिक अध्ययन।
4. सुश्री स्वाति बिष्ट, अकादमिक परामर्शदाता, गणित।

प्रशासनिक परामर्शदाता

1. श्री विपिन कुमार पाण्डे
2. श्री अनिल कुमार
3. श्री योगेश चन्द्र
4. श्री राजेन्द्र जोशी
5. श्री गोविन्द सिंह
6. श्रीमती गरिमा

तकनीकी परामर्शदाता

1. श्रीमती सुनीता भट्ट, कम्यूनिटी रेडियो
2. श्री विनय कुमार टम्टा, आई0सी0टी0

उक्तानुसार विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक तथा तकनीकी परामर्शदाताओं के नियोजन की कार्यवाही से कार्य परिषद अवगत हुई।

प्रस्ताव संख्या 19.14- विद्या परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 28.09.2017 की संस्तुतियों पर विचार।

विद्या परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 28 सितम्बर, 2017 के प्रत्येक बिन्दु जिनका विवरण निम्नानुसार है, से कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया। कार्य परिषद द्वारा प्रत्येक प्रस्ताव का अवलोकन कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया:-

12.01 विद्या परिषद की 10वीं बैठक दिनांक 22.03.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

12.02 विद्या परिषद की 11वीं बैठक दिनांक 16.04.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

12.03 विद्या परिषद की 10वीं बैठक दिनांक 22.03.2017 एवं 11वीं बैठक दिनांक 16.04.2017 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

12.04 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-247 दिनांक 23 जून, 2017 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

12.05 विश्वविद्यालय की विद्या शाखाओं के अध्ययन बोर्डों (Board of Studies) की संस्तुतियों पर विचार एवं अनुमोदन हेतु प्रस्ताव।

12.06 विश्वविद्यालय में विभिन्न विद्या शाखाओं के अन्तर्गत नवीन पाठ्यक्रम आरम्भ करने के प्रस्तावों पर विचार।

12.07 मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय से प्राप्त National Convention on Digital Initiatives for Higher Education के Action Plan 17 by 17 के अनुपालन के संबंध में।

12.08 विश्वविद्यालय में तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने के संबंध में।

12.09 पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा के अन्तर्गत कतिपय पाठ्यक्रमों का संचालन बन्द किये जाने के संबंध में विचार।

12.10 विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की अवधि समाप्त होने के बाद पुन: पंजीकरण, शुल्क निर्धारण एवं नियमों के संबंध में गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।

12.11 विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाये जाने के संबंध में।

12.12 दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा में शोध केन्द्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर विचार।

12.13 विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में सुधार परीक्षा (Improvement Examination) के पूर्व नियमों में पुनर्विचार हेतु गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।

12.14 विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र जनवरी, 2017 से पुर्नमूल्यांकन व चुनौती मूल्यांकन की सुविधा समाप्त किये जाने एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दुओं पर निर्णय हेतु गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।

12.15 समाज कार्य विषय में शोध उपाधि (पीएच0डी0) कार्यक्रम आरम्भ किये जाने के लिए कोर्स वर्क के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव।

12.16 शोध उपाधि अधिनियम-2016 के क्रम में 'शोध निर्देशकों' को मान्यता देने के संबंध में गठित समिति की अनुशंसाओं पर विचार।

12.17 समाज विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत मनोविज्ञान विषय में स्मृति वर्धक विज्ञान में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन के संबंध में विचार।

12.18 विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र ऑनलाइन भरे जाने की स्थिति में त्रुटियों में सुधार की प्रक्रिया के संबंध में।

12.19 यू0जी0सी0 के डेब (DEB) के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2018-19 एवं इससे आगे के सत्रों के लिए विभिन्न विषयों की मान्यता के लिए किये जाने वाले आवेदन के संबंध में।

12.20 पूर्व से पंजीकृत शोधार्थियों के शोधग्रन्थ जमा होने से पूर्व की प्रस्तुति एवं मौखिक परीक्षा के संबंध में।

12.21 **अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।**

12.21.01 कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा के अन्तर्गत Cyber Security में नॉन-क्रेडिट ऑनलाइन प्रमाण-पत्र 'Fundamentals of Cyber Security' पाठ्यक्रम आरम्भ किये जाने के संबंध में विचार।

12.21.02 विभिन्न विद्याशाखाओं क अन्तर्गत नवीन पाठ्यक्रम आरम्भ करने पर विचार।

1. शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के अन्तर्गत विशिष्ट शिक्षा में भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के मानकों के अनुरूप आधारभूत पाठ्यक्रम के रूप में मान्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम आरम्भ करने के संबंध में विचार।

2. स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग में खाद्य एवं पोषण में प्रमाण-पत्र (Certificate Programme in Food and Nutrition) पाठ्यक्रम आरम्भ करने के संबंध में विचार।

12.21.03 विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018-19 से संचालित होने वाले सभी कार्यक्रमों की मान्यता के संबंध में दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (यूजीसी) द्वारा निर्धारित ऑनलाइन आवेदन संबंधी प्रक्रिया के अनुपालन में आवश्यक अनुमोदन संबंधी प्रकरण पर विचार।

12.21.04 विश्वविद्यालय में संचालित समस्त प्रमाण-पत्र/ डिप्लोमा/पी0जी0 डिप्लोमा/स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का नामकरण यू0सी0सी0 के दिशा-निर्देशानुसार किये जाने के संबंध में।

12.21.05 Research for Resurgence Foundation (RRF) नागपुर के साथ किये गये एम0ओ0यू0 की स्वीकृति की सूचना के संबंध में।

12.21.06 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेब) को शैक्षणिक सत्र 2018-19 से नवीन विषयों की मान्यता हेतु भेजे जाने वाले आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से भेजे जाने वाले शपथ-पत्र (Affidavit) के संबंध में।

प्रस्ताव संख्या 19.15- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

प्रस्ताव संख्या 19.15.01- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-171 दिनांक 02 मई, 2016 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र संख्या D.O.No.F.91-3/2014(GS) दिनांक 06 जून, 2017 जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 02 मई, 2016 (उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण, निषेध एवं इसमें सुधार) विनियम 2015 के अनुसार किया जाना है। उपर्युक्त अधिसूचना के बिन्दु संख्या 04 (1) के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन किये जाने हेतु प्रस्ताव कार्य परिषद के सम्मुख विचारार्थ प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रस्ताव पर कार्य परिषद द्वारा विचार-विमर्श के उपरान्त निम्नानुसार अनुमोदन प्रदान किया गया:-

क्रम संख्या	पद	योग्यता	पद हेतु प्रस्तावित नाम
1.	पीठासीन अधिकारी	एक महिला संकाय सदस्य हो और जो एक वरिष्ठ पद पर (एक विश्वविद्यालय की स्थिति में प्रोफेसर से निम्न न हो तथा किसी विश्वविद्यालय की स्थिति में सह-प्रोफेसर अथवा रीडर से निम्न न हो) शैक्षिक संस्थान में नियुक्त हो तथा कार्यकारी प्राधिकारी द्वारा नामित हो। बशर्ते यदि किसी स्थिति में कोई वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं है तो पीठासीन अधिकारी को उप-अनुभाग 2 (ओ) में दर्शाये कार्यस्थल के अन्य कार्यालय अथवा प्रशासनिक एकांश से उन्हें नामित किया जायेगा। 'बशर्ते यदि उस कार्यस्थल के अन्य कार्यालयों अथवा प्रशासनिक एकांशों में कोई वरिष्ठ स्तर की महिला कर्मचारी नहीं है तो अध्यक्ष अधिकारी को उसी नियोक्ता के कार्यस्थल से अथवा किसी अन्य विभाग या संगठन में से नामित किया जा सकता है'	श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

2.	दो संकाय सदस्य एवं दो गैर-अध्यापनरत कर्मचारी	ऐसे कर्मचारी जो अधिमानत-महिलाओं की समस्याओं के लिए प्रतिबद्ध है तथा जिन्हें सामाजिक कार्य अथवा कानूनी जानकारी है, उन्हें कार्यकारी प्राधिकारी द्वारा नामित किया जाना चाहिए।	**अकादमिक -** 1. डॉ0 मंजरी अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक, प्रबंध अध्ययन। 2. डॉ0 नीरजा सिंह, सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य 3. डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी, सहायक प्राध्यापक, होटल प्रबंधन। **गैर अकादमिक -** 1. श्री राहुल बिष्ट, कनिष्ठ सहायक 2. श्री नवनीत मेहरा, तकनीकी परामर्शदाता। 3. श्रीमती रेखा बिष्ट, समन्वयक 4. श्रीमती मीतू गुप्ता, कैटलॉगर
3.	तीन छात्र	तीन छात्र जो स्नातक, स्नाकोत्तर तथा शोध स्तर पर अध्ययनरत हैं।	**स्नातक स्तर पर -** सुश्री अपराजिता पाण्डे, बी0ए0, गृह विज्ञान **स्नातकोत्तर स्तर पर -** 1- श्रीमती मीनाक्षी बोरा, समाज कार्य 2- श्री प्रवीन चन्द्र भट्ट, समाज कार्य **शोध स्तर पर -** 1. श्रीमती सुनीता सांगुड़ी, शोध छात्रा, प्रबंध अध्ययन।
4.	गैर सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	गैर सरकारी संगठनों में से किसी एक में अथवा किसी ऐसी सभा में से जो महिलाओं की समस्याओं के लिए प्रतिबद्ध हैं या एक ऐसा व्यक्ति हो जो लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े मामलों का जानकार हो, जो कार्यकारी प्राधिकारी द्वारा नामित हो।	श्रीमती उषा मुकेश, सामाजिक कार्यकर्ता, हल्द्वानी

कार्यसूची में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श एवं अनुमोदन के उपरांत कुलपति जी द्वारा बाह्य सदस्यों को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 एवं तृतीय दीक्षान्त समारोह दिनांक 14 नवम्बर, 2017 में आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात कार्य परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों विशेषकर बाह्य सदस्य प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया एवं श्री राकेश भारती मित्तल के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

27/11/17

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)

कुलसचिव/ सदस्य सचिव, कार्य परिषद

प्रो0 नागेश्वर राव
कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)